









# पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक के निधन से बागपत में शोक की लहर

शह टाइम्स संवाददाता

बागपत जनपद के गांव हिसावदा में जन्मे पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक का मंगलवार को लंबी बीमारी के बाद दिल्ली के अस्पताल में निधन हो गया। जनपद में जैसे ही उनके निधन की सूचना मिली तो उनके पैतृक गांव हिसावदा समेत पूरे जनपद में शोक छा गया। पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक की उम्रियत पिछले 11 मई से अधीर बनी हुई थी। संक्रमण के चलते उनको दिल्ली के राम मनोहर लोहिया अस्पताल में भर्ती कराया गया था। मंगलवार की दोपहर करीब ढेर बजे उन्होंने अंतिम सांस ली।

मिली जानकारी के अनुसार, सत्यपाल मलिक का जन्म 24 जुलाई 1946 को उत्तर प्रदेश के बागपत ज़िले के हिसावदा गांव में



एक किसान परिवार में हुआ था। उन्होंने मेरठ कॉलेज से बीएससी और एलएलबी की पढ़ाई की और

1968-69 में मेरठ विश्वविद्यालय के छात्रसंघ अध्यक्ष चुने गए, जहाँ से उनका जानीतिक सफर शुरू हुए।

हुआ। सत्यपाल मलिक ने 1974 में चौधरी चरांग सिंह की भारतीय कार्तिक दल से बागपत विधानसभा सीट से विधायक के रूप में राजसी. तिमें कदम रखा। इसके बाद वे लोक कदल, कॉलेज, जनता दल और भारतीय जनता पार्टी जैसे विभिन्न दलों से जुड़े रहे। 1980-1989 में उत्तर प्रदेश से राज्यसभा सदस्य रहे। 1989 से 1991 जनता दल के टिकट पर अलीगढ़ से लोकसभा सांसद रहे। गए। वर्ष 2012 में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय उपायक्षमि नियुक्त किए गए। राज्यपाल के रूप में उन्होंने विहार (2017-2018), जम्पू-कश्मीर (2018-2019), गोवा (2019-2020) और मेघालय (2020-2022) में सेवाएँ दी। जम्पू-कश्मीर के राज्यपाल रहे। एड.सोमेन्द्र डाका, आप अध्यक्ष परिचय उत्तर प्रदेश

....जम्पू कश्मीर, बिहार, उडीसा गोवा में वायाल पूर्व राज्यपाल, पूर्व कॉर्टीय मंत्री सत्यपाल मलिक के निधन पर शोक व्यक्त करते हैं और दिवंग नेता को श्रद्धा सुनान अर्पित करते हुए प्रदेश सचिव समा. जवादी रिश्क के सभा नगरद सिंह ने कहा कि सत्यपाल मलिक एक स्पष्टवादी और जनहित के सवालों को निर्भीकता से उठाने वाले राजनेता थे जो किसान और कर्मरों की आवाज थे उनके निधन से देश की राजनीति में एक रिक्तता का प्राप्त किया, किसान आदोलन में भाव उत्पन्न होगा जिसकी भारतीय संभव नहीं है। छात्र राजनीति से परोंकरों की वास सैवेक याद रही, महान राजनीतिक जीवन की शुरुआत कर उन्होंने राजनीतिक क्षेत्र में जो मुकाम हासिल किया वह नौजवानों के लिए सर्वे दीपक का कार्य करेगा। नगरद सिंह, प्रदेश सचिव समा. जवादी शिक्षक सभा उ.प्र.

## गाली-गलौज का विरोध करने पर दबंगों ने की मारपीट और पथराव

शह टाइम्स संवाददाता पीड़िया पर वायरल हो रहा है। बागपत कोतवाली क्षेत्र के पुराने पुलिस ने धारों को अस्पताल में



पीड़िया पर वायरल हो रहा है। उपचार के लिए भेजा जाता है। पुलिस कर रहे थे, तो उनके इसका विरोध दबंगों ने मारपीट और पथराव किया। इस घटना में मजदूर परिवार के दो लोग वायरल हो गए।

उपचार के लिए भेजा जाता है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि पुरे समलैं की जांच शुरू कर दी गई है और आरोपियों को तलाश जारी है।

पुलिस ने आश्वासन दिया है कि दाखियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई

इस घटना का विविध सोशल

उपचार के लिए भेजा जाता है। पुलिस कर रहे थे, तो उनके इसका विरोध दबंगों ने मारपीट और पथराव कर दिया। डमलावरों ने मारपीट की ओर पथराव पर हमला बोल दिया। डमलावरों ने मारपीट की ओर पथराव भी किया। दाखियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

शह टाइम्स संवाददाता

बड़ोता कोतवाली पुलिस ने जनपद बागपत में अपराधों की रोकथाम के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत एक अभियुक्त को गिरफतार किया है।

उसके कब्जे से एक 12 बोर का तम्चा जिंदा कारतूस बरामद किया है यह अपराधी की बड़ी घटना को अंजाम देने के लिए शह उ.प्र. में धम रहा था।

पकड़े गए अपराधी ने उनके परिवार पर हमला कर दिया। डमलावरों ने आश्वासन दिया है कि दाखियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई

इस घटना का विविध सोशल

उपचार के लिए भेजा जाता है। पुलिस कर रहे थे, तो उनके इसका विरोध दबंगों ने मारपीट और पथराव कर दिया।

उपचार के लिए भेजा जाता है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि पुरे समलैं की जांच शुरू कर दी गई है और आरोपियों को तलाश जारी है।

पुलिस ने आश्वासन दिया है कि दाखियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई

इस घटना का विविध सोशल

उपचार के लिए भेजा जाता है। पुलिस कर रहे थे, तो उनके इसका विरोध दबंगों ने मारपीट और पथराव कर दिया।

उपचार के लिए भेजा जाता है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि पुरे समलैं की जांच शुरू कर दी गई है और आरोपियों को तलाश जारी है।

पुलिस ने आश्वासन दिया है कि दाखियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई

इस घटना का विविध सोशल

उपचार के लिए भेजा जाता है। पुलिस कर रहे थे, तो उनके इसका विरोध दबंगों ने मारपीट और पथराव कर दिया।

उपचार के लिए भेजा जाता है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि पुरे समलैं की जांच शुरू कर दी गई है और आरोपियों को तलाश जारी है।

पुलिस ने आश्वासन दिया है कि दाखियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई

इस घटना का विविध सोशल

उपचार के लिए भेजा जाता है। पुलिस कर रहे थे, तो उनके इसका विरोध दबंगों ने मारपीट और पथराव कर दिया।

उपचार के लिए भेजा जाता है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि पुरे समलैं की जांच शुरू कर दी गई है और आरोपियों को तलाश जारी है।

पुलिस ने आश्वासन दिया है कि दाखियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई

इस घटना का विविध सोशल

उपचार के लिए भेजा जाता है। पुलिस कर रहे थे, तो उनके इसका विरोध दबंगों ने मारपीट और पथराव कर दिया।

उपचार के लिए भेजा जाता है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि पुरे समलैं की जांच शुरू कर दी गई है और आरोपियों को तलाश जारी है।

पुलिस ने आश्वासन दिया है कि दाखियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई

इस घटना का विविध सोशल

उपचार के लिए भेजा जाता है। पुलिस कर रहे थे, तो उनके इसका विरोध दबंगों ने मारपीट और पथराव कर दिया।

उपचार के लिए भेजा जाता है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि पुरे समलैं की जांच शुरू कर दी गई है और आरोपियों को तलाश जारी है।

पुलिस ने आश्वासन दिया है कि दाखियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई

इस घटना का विविध सोशल

उपचार के लिए भेजा जाता है। पुलिस कर रहे थे, तो उनके इसका विरोध दबंगों ने मारपीट और पथराव कर दिया।

उपचार के लिए भेजा जाता है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि पुरे समलैं की जांच शुरू कर दी गई है और आरोपियों को तलाश जारी है।

पुलिस ने आश्वासन दिया है कि दाखियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई

इस घटना का विविध सोशल

उपचार के लिए भेजा जाता है। पुलिस कर रहे थे, तो उनके इसका विरोध दबंगों ने मारपीट और पथराव कर दिया।

उपचार के लिए भेजा जाता है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि पुरे समलैं की जांच शुरू कर दी गई है और आरोपियों को तलाश जारी है।

पुलिस ने आश्वासन दिया है कि दाखियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई

इस घटना का विविध सोशल

उपचार के लिए भेजा जाता है। पुलिस कर रहे थे, तो उनके इसका विरोध दबंगों ने मारपीट और पथराव कर दिया।

उपचार के लिए भेजा जाता है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि पुरे समलैं की जांच शुरू कर दी गई है और आरोपियों को तलाश जारी है।

पुलिस ने आश्वासन दिया है कि दाखियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई

इस घटना का विविध सोशल

उपचार के लिए भेजा जाता है। पुलिस कर रहे थे, तो उनके इसका विरोध दबंगों ने मारपीट और पथराव कर दिया।











## टिप्पणी पर राजनीति

नेता प्रतिष्ठक राहुल गांधी यह आरोप बराबर लगाते रहते हैं कि चीन ने बड़े पैमान पर हमारी भूमि पर कब्जा किया हुआ है। वह यह भी कहते हैं कि चीन ने हमारी दो हजार वर्गकिमी की जमीन चुरा ली है। उनकी इन विवादित बातों का मामला सुनीम कोर्ट की दहलीज पर भी पढ़ूँच गया है। सूमिवार को इस तरह की विचाका पर सुनवाई करते कोई सुप्रीम कोर्ट की दो सदस्यीय पीठ ने उनको इस बात को लेकर आई द्वारा लिया कि अपकी बातें जिम्मेदाराना हैं। न्यायमूर्ति दोपांकर दत्ता ने तो खुलकर राहुल गांधी की ओर जिम्मेदाराना व्यवहार भी लगाई और कहा कि विषयक का एक जिम्मेदार नेता होने के नाते राहुल गांधी को ऐसा नहीं कहना चाहिए था। उनका कहना था कि आप को कैसे पता चला कि दो हजार वर्गकिमी जमीन पर चीन ने कब्जा कर लिया। क्या आप वहां थे, क्या आपके पास कोई विवरसनीय जानकारी है।

पीठ ने उनसे यह भी पूछा कि बिना किसी सबूत के आप ऐसा बयान करों दे रहे हैं और बड़ी बात जो कहाँ वह यह है कि अगर आप सच्चे भारतीय हैं तो आप ऐसी बातें नहीं कहिए। इस पर हालांकि की ओर ये पेश हुए कि रिष्ट अधिवक्ता अभियंक सिंघवी ने कहा कि आप विषयक के नेता मुद्रै नहीं उठा सकते, तो यह दूसरी गृहणी स्थिति होगी। वहां सत्ता पक्ष गद्दर दिखाई दे रहा है और सुनीम कोर्ट की इस फटकार को जो उसने राहुल गांधी को दी है बेहद खुश नजर आ रहा है। संसद की कार्य मंत्री किरण रिजिजू ने कहा भी कि सर्वोच्च अदालत की ओर से लोकसभा में विषयक के नेता राहुल के बारे में जिप्पणी की गई वह सबके लिए सबक है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी राष्ट्रीय जनराजीक गढ़बंधन की बैठक में सदस्यों से कहा कि गलत बात बोलने पर न्यायालय भी नुच्छ नहीं बैठेगा। पीठ का भी यह कहना था कि सबके लिए यह एक सबक है कि आप एक जिम्मेदार नागरिक हैं और कुछ भी अनाप-शानप्रबालक बच नहीं सकते।

वहीं मंगलवार को विषयकी दलों की बैठक में भी यह मुद्रा उठा। राहुल गांधी ने खुद इसकी जानकारी दी। इस बैठक में जहां यह सहमति बनी कि सभी जनता के मुद्रों को मिलकर उठाएं, वहां एक न्यायालयी की टिप्पणी जो राहुल गांधी पर की गई, चर्चा हुई। कांग्रेस नेताओं का गलत बात पर बहुमत हुई कि वर्तमान के मुद्रों के नेता इस पर सहमत हुए कि वर्तमान न्यायालयी ने एक ऐसी टिप्पणी की है जो राजनीतिक दलों के लोकराजीक अधिकारों के खिलाफ है। कांग्रेस मनानी है कि राष्ट्रीय हित के मुद्रों पर टिप्पणी करना राजनीतिक दलों विशेषकर विषयक के नेताओं की जिम्मेदारी है। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने भी टिप्पणी पर नाराजगी यह कहकर जताई कि वह माननीय जर्जों का पूरा सम्मान करती हैं, लेकिन साथ ही वह कहना चाहती है कि वह यह तय नहीं करेगे कि सच्चा भारतीय कौन है, सरकार से सवाल पूछना विषयक के नेता का कर्तव्य है, मंगलवार की गलत मतलब निकाला गया है। इसमें कई दोस्रे पर आरोप-प्रतीकरण भी नहीं हैं कि राजनेता एक-दूसरे पर आरोप-प्रतीकरण भी नहीं होता। इससे उन्हें बचना चाहिए।

### जज तय नहीं करेंगे, कौन सच्चा भारतीय

सुनीम कोर्ट के माननीय जर्जों का पूरा सम्मान रखते हुए मैं ये कहना चाहती हूँ कि वह तय नहीं करेंगे कि सच्चा भारतीय कौन है, सरकार से सवाल पूछना विषयक के नेता का कर्तव्य है, मंगलवार की गलत मतलब निकाला गया, राहुल गांधी के एक सच्चे भारतीय और राष्ट्रवादी नेता हैं।

**प्रियंका गांधी**  
कांग्रेस प्रधानसचिव



